हिंदी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष : 09

मां का दूध शिशु के साथ भावनात्मक जुड़ाव के लिए आवश्यक : डॉ. संगीता सारस्वत

● अगस्त माह में चल रहे विश्व स्तनपान सप्ताह दिवश

यूपी मैसेंजर संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता गृह विज्ञान डॉक्टर मुक्ता गर्ग ने बताया कि अगस्त माह के प्रथम सप्ताह मे चल रहे विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत महाविद्यालय मे अवेयरनेस रिगार्डिंग ब्रेस्ट फीडिंग विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।

इस विषय पर मुख्य वक्ता शहर की प्रसिद्ध स्त्री एवं प्रसूति विशेषज्ञया डॉ. संगीता सारस्वत रही, डॉ. सारस्वत द्वारा स्तनपान से माता एवं शिशु को होने वाले लाभ के बारे मे विस्तार बताया कि माँ का दूध शिशु के शारीरिक, मानसिक विकास के साथ भावनात्मक संबध बनाने मे सहायक होता है , एवं वैक्सीन का कार्य करता है। डॉ. सारस्वत ने बताया गर्भ धारण से जन्म के बाद तक 1000 दिन बालक विकास के लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

स्तनपान माता को स्वस्थ बनाये रखने के साथ के साथ मातृ मृत्यु दर को कम करने में सहायक होता है। इस दौरान छात्राओं द्ववारा विषय सम्बन्धी समस्याओं पर प्रश्न पूँछे गए। डॉ. अर्चना सिंह द्वारा सभी का स्वागत एवं एन. एन. एस. प्रोग्राम अफसर रश्मि सिंह द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया। इस अवसर पर संकाय की बी.एस.सी., ए म. एस .सी. की सभी छात्राओं एवं संकायों कि शिक्षिकाओं श्रीमती रेनू, डॉ. ऋतु पाण्डेय ने भाग लिया । वंशिका, नेहा, पूजा,सुमन आदि भी उपस्थति रही

जागरण 10/08/2023

बच्चे को स्तनपान कराएं मातृ मृत्यु दर घटाएं

कानपुर : सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में बुधवार को स्तनपान के प्रति जागरुकता विषय पर व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता स्त्री एवं प्रसूति विशेषज्ञ डा. संगीता सारस्वत ने कहा कि मां का दूध शिशु के शारीरिक, मानसिक विकास के साथ भावनात्मक संबध मजबूत बनाता है। यह मातृ मृत्यु दर को भी कम करने में सहायक है। डा. मुक्ता गर्ग, डा. अर्चना सिंह, रश्मि सिंह मौजूद रहीं। (वि.)

सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा ने सीएसए छात्रावासों की मेस का किया निरीक्षण

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ पीके उपाध्याय ने बताया कि सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा श्रीमती शशी पांडेय एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरविंद कुमार गोंड द्वारा विश्वविद्यालय की मेस का औचक निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम खाद्य सुरक्षा टीम कॉलेज आफ होम साइंस के सरोजनी नायडू गर्ल्स छात्रावास का निरीक्षण किया। जिसमें सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा ने मेस संचालकों को मेस में खाना बनाने की प्रक्रिया, खाने में प्रयोग किए जाने वाले मसालों की गुणवत्ता आदि को परखा। जो मानक अनुरूप पाए गए।खाद्य सुरक्षा टीम ने मेस संचालकों को साफ सफाई के विशेष निर्देश दिए। साथ ही टीम ने छात्र-छात्राओं को भी सफाई के लिए कहा।इस अवसर पर डॉ कौशल कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण आई नेक्स्ट 10/08/2023

फूड सिक्योरिटी टीम पहुंची सीएसए की मेस

KANPUR (9 Aug): चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में मंडे को सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा शशि पांडेय और खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरविंद गोंड ने मेस का निरीक्षण किया. डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. पीके उपाध्याय ने बताया कि सर्वप्रथम खाद्य सुरक्षा टीम ने कॉलेज आफ होम साइंस के सरोजनी नायडू गर्ल्स हॉस्टल का निरीक्षण किया. अफसरों ने मेस संचालकों को मेस में खाना बनाने की प्रक्रिया, खाने में प्रयोग किए जाने वाले मसालों की गुणवत्ता आदि को

परखा. जो मानक अनुरूप पाए गए. टीम ने मेस संचालकों को साफ सफाई के विशेष निर्देश दिए. साथ ही स्टूडेंट्स को भी सफाई के लिए कहा. इस मौके पर डॉ कौशल कुमार आदि मौजूद रहे.

वर्ष-17 अंक-219 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, गुरूवार 10 अगस्त 2023
कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित
RNI N.UPHIN/2007/27090
दैनिक नगर छाया
आप की आवाज़.....

मां का दूध शिशु के साथ भावनात्मक जुड़ाव के लिए आवश्यकः डॉ. संगीता सारस्वत

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता गृह विज्ञान डॉक्टर मुक्ता गर्ग ने बताया कि अगस्त माह के प्रथम सप्ताह मे चल रहे विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत महाविद्यालय मे अवेयरनेस रिगार्डिंग ब्रेस्ट फीडिंग विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस विषय पर मुख्य वक्ता शहर की प्रसिद्ध स्त्री एवं प्रसूति विशेषज्ञया डॉ. संगीता सारस्वत रही, डॉ. सारस्वत द्वारा स्तनपान से माता एवं शिशु को होने वाले लाभ के बारे मे विस्तार बताया कि माँ का दूध शिशु के शारीरिक, मानसिक विकास के साथ भावनात्मक संबंध बनाने मे सहायक होता है , एवं वैक्सीन का कार्य करता है। डॉ. सारस्वत ने बताया गर्भ धारण से जन्म के बाद तक 1000 दिन बालक विकास के लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण है। स्तनपान माता को स्वस्थ बनाये रखने के साथ के साथ मातृ मृत्यु दर को कम करने में सहायक होता है। इस दौरान छात्राओं द्ववारा विषय सम्बन्धी समस्याओं पर प्रश्न पूँछे गए। डॉ. अर्चना सिंह द्वारा सभी का स्वागत एवं एन. एन. एस. प्रोग्राम अफसर रश्मि सिंह द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया। इस अवसर पर संकाय की बी.एस.सी., ए म. एस .सी. की सभी छात्राओं एवं संकायों कि शिक्षिकाओं श्रीमती रेनू, डॉ. ऋतु पाण्डेय ने भाग लिया । वंशिका, नेहा, पूजा,सुमन आदि भी उपस्थति रही।

SKS NEWS

हिन्दी दैनिक

समाज का साथी

कानपुर नगर से प्रकाशित

अंक: 344 कानपुर, बृहस्पतिवार 10 अगस्त-2023 पृष्ठ -8

मां का दूध शिशु के साथ भावनात्मक जुड़ाव के लिए आवश्यक: डॉक्टर संगीता सारस्वत

नगर संवाददाता

कानपुर।चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता गृह विज्ञान डॉक्टर मुक्ता गर्ग ने बताया कि अगस्त माह के प्रथम सप्ताह मे चल रहे विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत महाविद्यालय मे %अवेयरनेस रिगार्डिंग ब्रेस्ट फीडिंग% विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस विषय पर मुख्य वक्ता शहर की प्रसिद्ध स्त्री एवं प्रसूति विशेषज्ञया डॉ. संगीता सारस्वत रही, डॉ. सारस्वत द्वारा स्तनपान से माता एवं शिशु को होने वाले लाभ के बारे मे विस्तार बताया कि माँ का दूध शिशु के शारीरिक, मानसिक विकास के साथ भावनात्मक संबध बनाने मे सहायक होता है , एवं वैक्सीन का कार्य करता है। डॉ. सारस्वत ने बताया गर्भ धारण से जन्म के बाद तक 1000 दिन बालक विकास के लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण है। स्तनपान माता को स्वस्थ बनाये रखने के साथ के साथ मातृ मृत्यु दर को कम करने में सहायक होता है। इस दौरान छात्राओं द्ववारा विषय सम्बन्धी समस्याओं पर प्रश्न पूँछे गए। डॉ. अर्चना सिंह द्वारा सभी का स्वागत एवं एन. एन. एस. प्रोग्राम अफसर रश्मि सिंह द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया। इस अवसर पर संकाय की बी.एस.सी., ए म. एस .सी. की सभी छात्राओं एवं संकायों कि शिक्षिकाओं श्रीमती रेनू, डॉ. ऋतु पाण्डेय ने भाग लिया । वंशिका, नेहा, पूजा,सुमन आदि भी उपस्थति रही

rni no uphin47232

उपदेश टाइम्स

कानपुर से प्रकाशित एवं कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, गोण्डा, जौनपुर, फिरोजाबाद, जालौन उरई, कन्नौज, फरूखाबाद, एटा से प्रसारित

कानपुर, गुरुवार 10 अगस्त 2023 पृष्ठ : 8

मां का दूध शिशु के साथ भावनात्मक जुड़ाव के लिए आवश्यक : डॉ0 संगीता सारस्वत

कानपुर नगर उपदेश टाइम्स अरविंद शुक्ला की रिपोर्ट

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता गृह विज्ञान डॉक्टर मुक्ता गर्ग ने बताया कि अगस्त माह के प्रथम सप्ताह मे चल रहे विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत महाविद्यालय मे अवेयरनेस रिगार्डिंग ब्रेस्ट फीडिंग विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया इस विषय पर मुख्य वक्ता शहर की प्रसिद्ध स्त्री एवं प्रसूति विशेषज्ञया डॉ. संगीता सारस्वत रही डॉ. सारस्वत द्वारा स्तनपान से माता एवं शिशु को होने वाले लाभ के बारे मे विस्तार बताया कि माँ का दूध शिशु के शारीरिक मानसिक विकास के साथ भावनात्मक संबध बनाने मे सहायक होता है एवं वैक्सीन का कार्य करता है डॉ. सारस्वत ने बताया गर्भ धारण से जन्म के बाद तक 1000 दिन बालक विकास के लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण है स्तनपान माता को स्वस्थ बनाये रखने के साथ के साथ मातृ मृत्यु दर को कम करने में सहायक होता है इस दौरान छात्राओं द्वारा विषय सम्बन्धी समस्याओं पर प्रश्न पूछें गए डॉ. अर्चना सिंह द्वारा सभी का स्वागत एवं एनएनएस प्रोग्राम अफसर रश्मि सिंह द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया इस अवसर पर संकाय की बीएससी, एमएससी की सभी छात्राओं एवं संकायों कि शिक्षिकाओं रेनू, डॉ. ऋतु पाण्डेय, वंशिका, नेहा, पूजा, सुमन आदि लोग प्रमुख रूप से मौजूद रही।

मुख्यमंत्री को किया ऐलान

आजाद की प्रतिमा मेडिकल कालेज गोल चौराहे पर

मां का दूध शिशु के साथ भावनात्मक जुड़ाव के लिए आवश्यकः डॉ संगीता

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता गृह विज्ञान डॉक्टर मुक्ता गर्ग ने बताया कि अगस्त माह के प्रथम सप्ताह मे चल रहे विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत महाविद्यालय मे अवेयरनेस रिगार्डिंग ब्रेस्ट फीडिंग विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता स्त्री एवं प्रसूति विशेषज्ञया डॉ. संगीता सारस्वत द्वारा स्तनपान से माता एवं शिशु को होने वाले लाभ के बारे मे विस्तार बताया कि माँ का दूध शिशु के शारीरिक,

मानसिक विकास के साथ भावनात्मक संबध बनाने मे सहायक होता है , एवं वैक्सीन का कार्य करता है। डॉ. सारस्वत ने बताया गर्भ धारण से जन्म के बाद तक 1000 दिन बालक विकास के लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण है। स्तनपान माता को स्वस्थ बनाये रखने के साथ के साथ मातृ मृत्यु दर को कम करने में सहायक होता है। इस दौरान छात्राओं द्वारा विषय सम्बन्धी समस्याओं पर प्रश्न पूँछे गए। डॉ. अर्चना सिंह द्वारा सभी का स्वागत एवं एन. एन. एस. प्रोग्राम अफसर रश्मि सिंह द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया। इस अवसर पर संकाय की बी.एस.सी., ए म. एस .सी. की सभी छात्राओं एवं संकायों कि शिक्षिकाओं श्रीमती रेनू, डॉ. ऋतु पाण्डेय ने भाग लिया । वंशिका, नेहा, पूजा,सुमन आदि भी उपस्थति रही।

रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

8 लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, गुरूवार, 10 अगस्त, 2023 पृष्ठ: 8 मूल्य

मां का दूध शिशु के साथ भावनात्मक जुड़ाव के लिए आवश्यक: डॉक्टर संगीता सारस्वत

अनवर अशरफ । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता गृह विज्ञान डॉक्टर मुक्ता गर्ग ने बताया कि अगस्त माह के प्रथम सप्ताह मे चल रहे विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत महाविद्यालय मे श्अवेयरनेस रिगार्डिंग ब्रेस्ट फीडिंगश विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस विषय पर मुख्य वक्ता शहर की प्रसिद्ध स्त्री एवं प्रसूति विशेषज्ञया डॉ. संगीता सारस्वत रही, डॉ. सारस्वत द्वारा स्तनपान से माता एवं शिशु को होने वाले लाभ के बारे मे विस्तार बताया कि माँ का दूध शिशु के शारीरिक, मानसिक विकास के साथ भावनात्मक संबध बनाने मे सहायक होता है , एवं वैक्सीन का कार्य करता है। डॉ. सारस्वत ने बताया गर्भ धारण से जन्म के बाद तक 1000 दिन बालक विकास के लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण है। स्तनपान माता को स्वस्थ बनाये रखने के साथ के साथ मातृ मृत्यु दर को कम करने में सहायक होता है। इस दौरान छात्राओं द्ववारा विषय सम्बन्धी समस्याओं पर प्रश्न पूँछे गए। डॉ. अर्चना सिंह द्वारा सभी का स्वागत एवं एन. एन. एस. प्रोग्राम अफसर रश्मि सिंह द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया। इस अवसर पर संकाय की बी.एस.सी., ए म. एस .सी. की सभी छात्राओं एवं संकायों कि शिक्षिकाओं श्रीमती रेनू, डॉ. ऋतु पाण्डेय ने भाग लिया । वंशिका, नेहा, पूजा,सुमन आदि भी उपस्थिति रही

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 43 कानपुर, गुरुवार 10 अगस्त 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

yaswaroop.in

मां का दूध शिशु के साथ भावनात्मक जुड़ाव के लिए आवश्यक : सारस्वत

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता गृह विज्ञान डॉक्टर मुक्ता गर्ग ने बताया कि अगस्त माह के प्रथम सप्ताह मे चल रहे विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत महाविद्यालय मे %अवेयरनेस रिगार्डिंग ब्रेस्ट फीडिंग% विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस विषय पर मुख्य वक्ता शहर की प्रसिद्ध स्त्री एवं प्रसूति विशेषज्ञया डॉ. संगीता सारस्वत रही, डॉ. सारस्वत द्वारा स्तनपान से माता एवं शिशु को होने वाले लाभ के बारे मे विस्तार बताया कि माँ का दूध शिशु के शारीरिक, मानसिक विकास के साथ भावनात्मक संबध बनाने मे सहायक होता है , एवं वैक्सीन का कार्य करता है। डॉ. सारस्वत ने बताया गर्भ धारण से जन्म के बाद तक 1000 दिन बालक विकास के लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण है। स्तनपान माता को स्वस्थ बनाये रखने के साथ के साथ मातृ मृत्यु दर को कम करने में सहायक होता है। इस दौरान छात्राओं द्ववारा विषय सम्बन्धी समस्याओं पर प्रश्न पूँछे गए। डॉ. अर्चना सिंह द्वारा सभी का स्वागत एवं एन. एन. एस. प्रोग्राम अफसर रश्मि सिंह द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया। इस अवसर पर संकाय की बी.एस.सी ए म. एस .सी. की सभी छात्राओं एवं संकायों कि शिक्षिकाओं श्रीमती रेनू, डॉ. ऋतु पाण्डेय ने भाग लिया। वंशिका, नेहा, पूजा,सुमन आदि भी उपस्थति रही

Title-code: UPHIN-48963

E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर

समाचार पत्र

10th August 2023

jksingh.hardoi@gmail.com

website: satyakaasar.com

मां का दूध शिशु के साथ भावनात्मक जुड़ाव के लिए आवश्यक: डॉक्टर संगीता सारस्वत

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता गृह विज्ञान डॉक्टर मुक्ता गर्ग ने बताया कि अगस्त माह के प्रथम सप्ताह मे चल रहे विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत महाविद्यालय मे 'अवेयरनेस रिगार्डिंग ब्रेस्ट फीडिंग' विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस विषय पर मुख्य वक्ता शहर की प्रसिद्ध स्त्री एवं प्रसूति विशेषज्ञया डॉ. संगीता सारस्वत रही, डॉ. सारस्वत द्वारा स्तनपान से माता एवं शिशु को होने वाले लाभ के बारे मे विस्तार बताया कि माँ का दूध शिशु के शारीरिक, मानसिक विकास के साथ भावनात्मक संबध बनाने मे सहायक होता है , एवं वैक्सीन का कार्य करता है। डॉ. सारस्वत ने बताया गर्भ धारण से जन्म के बाद तक 1000 दिन बालक विकास के लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण है। स्तनपान माता को स्वस्थ बनाये रखने के साथ के साथ मातृ मृत्यु दर को कम करने में सहायक होता है। इस दौरान छात्राओं द्ववारा विषय सम्बन्धी समस्याओं पर प्रश्न पूँछे गए। डॉ. अर्चना सिंह द्वारा सभी का स्वागत एवं एन. एन. एस. प्रोग्राम अफसर रश्मि सिंह द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया। इस अवसर पर संकाय की बी.एस.सी., ए म. एस .सी. की सभी छात्राओं एवं संकायों कि शिक्षिकाओं श्रीमती रेनू, डॉ. ऋतु पाण्डेय ने भाग लिया । वंशिका, नेहा, पूजा,सुमन आदि भी उपस्थति रही

अमर उजाला 10/08/2023

स्तनपान से बच्चों में बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के गृह विज्ञान महाविद्यालय में विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत अवेयरनेस रिकॉर्डिंग ब्रेस्ट फीडिंग विषय पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. संगीता सारस्वत ने कहा कि स्तनपान से बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। मां का दूध शिशु के शारीरिक, मानसिक विकास के साथ भावनात्मक संबंध बनाने मे सहायक होता है। इस मौके पर डॉ. मुक्ता गर्ग, डॉ. अर्चना सिंह, रश्मि सिंह, डॉ. ऋतु पांडेय आदि मौजूद रहीं। (ब्यूरो)

सीएसए में विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत को अवेयरनेस रिगार्डिंग ब्रेस्ट फीडिंग विषय पर हुआ व्याख्यान

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में अगस्त माह के प्रथम सप्ताह में चल रहे विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत बीते दिन बुधवार को अवेयरनेस रिगार्डिंग ब्रेस्ट फीडिंग विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद स्त्री एवं प्रसूति विशेषज्ञ डॉ. संगीता सारस्वत ने स्तनपान से माता एवं शिशु को होने वाले लाभ के बारे मे बताते हुए कहा कि माँ का दूध शिशु के शारीरिक, मानसिक विकास के साथ भावनात्मक संबध बनाने मे सहायक होने के साथ ही वैक्सीन का कार्य करता है। उन्होंने बताया कि स्तनपान माता को स्वस्थ बनाये रखता है और मातृ मृत्यु दर को कम करने में सहायक होता है। इस अवसर पर संकाय की बी.एस.सी., एम. एस .सी. की सभी छात्राओं एवं संकायों की शिक्षिकाए रेनू , डॉ. ऋतु पाण्डेय, वंशिका, नेहा, पूजा,सुमन आदि मौजूद रहीं।

वर्ष-17 अंक-219 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, गुरूवार 10 अगस्त 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक

RNI N.UPHIN/2007/27090

नगर छाया

आप की आवाज़.....

सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा ने सीएसए में स्थित छात्रावासों की मेस का किया आवश्यक निरीक्षण

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ पीके उपाध्याय ने बताया कि आज सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा श्रीमती शशी पांडेय एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री अरविंद कुमार गोंड द्वारा विश्वविद्यालय की मेस का औचक निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम खाद्य सुरक्षा टीम कॉलेज आफ होम साइंस के सरोजनी नायडू गर्ल्स छात्रावास का निरीक्षण किया। जिसमें सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा ने मेस संचालकों को मेस में खाना बनाने की प्रक्रिया, खाने में प्रयोग किए जाने वाले मसालों की गुणवत्ता आदि को परखा। जो मानक अनुरूप पाए गए।खाद्य सुरक्षा टीम ने मेस संचालकों को साफ सफाई के विशेष निर्देश दिए। साथ ही टीम ने छात्र-छात्राओं को भी सफाई के लिए कहा।इस अवसर पर डॉ कौशल कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक

समाज का साथी

कानपुर नगर से प्रकाशित

अंक: 344 | कानपुर, बृहस्पतिवार 10 अगस्त-2023 | पृष्ठ -8

अनुकरणीय रहा।

सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा ने छात्रावासों की मेस का किया निरीक्षण

कानपुर ।सीएसए के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ पीके उपाध्याय ने बताया कि सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा शशी पांडेय एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरविंद कुमार गोंड द्वारा विश्वविद्यालय की मेस का औचक निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम खाद्य सुरक्षा टीम कॉलेज आफ होम साइंस के सरोजनी नायडू गर्ल्स छात्रावास का निरीक्षण किया। जिसमें सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा ने मेस संचालकों को मेस में खाना बनाने की प्रक्रिया, खाने में प्रयोग किए जाने वाले मसालों की गुणवत्ता आदि को परखा। जो मानक अनुरूप पाए गए ।खाद्य सुरक्षा टीम ने मेस संचालकों को साफ सफाई के विशेष निर्देश दिए। साथ ही टीम ने छात्र-छात्राओं को भी सफाई के लिए कहा ।इस अवसर पर डॉ कौशल कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हिंदुस्तान 10/08/2023

सीएसए विवि की मेस में छापा, मानकों को जांचा

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) की मेस में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने छापा मारा। विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. पीके उपाध्याय ने बताया कि सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा शशी पांडेय व खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरविंद कुमार ने कॉलेज आफ होमसाइंस के सरोजनी नायडू गर्ल्स छात्रावास का निरीक्षण किया। इसमें सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा ने मेस संचालकों को मेस में खाना बनाने की प्रक्रिया को देखा।

आज 10/08/2023

मां का दूध शिशु के साथ भावनात्मक जुड़ाव के लिए जरूरी

गर्भ धारण से जन्म के बाद तक 1000 दिन बालक विकास के लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण

कार्यक्रम में शामिल डाक्टर व छात्राएं।

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 9 अगस्त। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता गृह विज्ञान डॉक्टर मुक्ता गर्ग ने बताया कि अगस्त माह के प्रथम सप्ताह मे चल रहे विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत महाविद्यालय मे अवेयरनेस रिगार्डिंग ब्रेस्ट फीडिंग विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रसिद्ध स्त्री एवं प्रसूति विशेषज्ञ डॉ. संगीता सारस्वत ने स्तनपान से माता एवं शिशु को होने वाले लाभ के बारे मे विस्तार प्रकाश डाला। उन्होंने कहाकि माँ का दूध शिशु के शारीरिक, मानसिक विकास के साथ भावनात्मक संबध बनाने मे सहायक होता है , एवं वैक्सीन का कार्य करता है। डॉ. सारस्वत ने बताया गर्भ धारण से जन्म के बाद तक 1000 दिन बालक विकास के लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण है। स्तनपान माता को स्वस्थ बनाये रखने के साथ के साथ मातृ मृत्यु दर को कम करने में सहायक होता है। इस दौरान छात्राओं द्ववारा विषय सम्बन्धी समस्याओं पर प्रश्न पूँछे गए। इस दौरान निदेशक प्रो. सुधीर अवस्थी, डॉ. अर्चना सिंह, डा. रश्मि सिंह के अलावा बीएससी, एमएससी की सभी छात्राओं एवं शिक्षिका श्रीमती रेनू, डॉ. ऋतु पाण्डेय, वंशिका, नेहा, पूजा,सुमन आदि उपस्थिति रही

हिंदुस्तान 10/08/2023

'मां का दूध शिशु को भावनात्मक मजबूती देता'

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत अवेयरनेस रिकार्डिंग ब्रेस्ट फीडिंग विषय पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. संगीता सारस्वत ने कहा कि स्तनपान से माता व शिशु को अनेक तरह का लाभ होता है। मां का दूध शिशु के शारीरिक, मानसिक विकास के साथ भावनात्मक संबंध बनाने में सहायक होता है। डॉ. मुक्ता गर्ग, डॉ. अर्चना सिंह, रश्मि सिंह मौजूद रहीं।